अमर उजाला २४/०२/२०२३

मातृभाषाएं हमारे जीवन का आधार : डॉ. दत्त

जीएमएन कॉलेज की संगोष्ठी में शामिल मुख्य अतिथि का स्वागत करते शिक्षक। संवाद

संवाद न्यूज एजेंसी

अंबाला। गांधी मेमोरियल नेशनल कॉलेज छावनी में भारतीय ज्ञान परंपरा का परिभाषिकरण विषय पर हरियाणा ग्रंथ अकादमी के सहयोग से एक दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी हुई। कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्ज्वलित कर सरस्वती वंदना के साथ किया गया। कॉलेज के प्राचार्य डॉ. रोहित दत्त ने सभी विद्वानों का स्वागत करते हुए कहा कि मातृभाषाएं हमारे जीवन का आधार हैं, इन्हीं से हमारा जीवन पल्लवित पुष्पित होता है। हिंदी विभागाध्यक्ष डॉ. रितु गुप्ता ने संगोष्ठी के उद्देश्य पर प्रकाश डाला।

बीज वक्ता डॉ. रमाकांत अंगीरस ने भारतीय ज्ञान परंपरा पर विस्तार से बताते हुए वेद, उपनिषद शास्त्रों के ज्ञान को साधारण से शब्दों में समझाने की कोशिश की। पंजाब विश्वविद्यालय चंडीगढ़ के हिंदी विभागाध्यक्ष डॉ. बैजनाथ ने शास्त्र और संपर्क के मर्म को समझाने का प्रयास किया। संस्कृत विभागाध्यक्ष डॉ. आशुतोष अंगिरस ने पीपीटी के माध्यम से नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति और मातृभाषा के संबंधों को बताया। संगोष्ठी के द्वितीय सत्र में डीएवी कॉलेज के प्राचार्य डॉ. सीके झा ने भारतीय ज्ञान परंपरा को अविस्मरणीय बताते हुए कहा कि आधुनिकता के इस दौर में अपनी परंपराओं से जुड़कर संस्कारवान होने की आवश्यकता है। इस संगोष्ठी का संचालन डॉ. अनीश, संस्कृत के विभागाध्यक्ष डॉ. राजेंद्रा ने किया।